शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री (मौलाना अबुल कलाम आजाद) : (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख). समाज शिक्षा की स्थायी समिति की नीचे लिखी सिफारिशों पर भारत सरकार पहले से अमल कर रही है :

१. बच्चों के लिये नमूने की पुस्तकें तैयार करना।

२. देश की विभिन्न भाषाओं में बच्चों की किताबों की व्याख्यात्मक सूचियां तैयार करना।

अन्य सिफारिशें विचाराधीन हैं।

†[THE MINISTER FOR EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH (MAULANA ABUL KALAM AZAD): (a) and (b). A Statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) and (b). Following recommendations of the Standing Committee on Social Education are already being implemented by the Government of India:—

1. Preparation of Model Books for children.

2. Preparation of annotated bibliographies of books suitable for children in different languages in the country.

The other recommendations are under consideration.

प्रोफेसर एफ० पी० श्रोटर द्वारा किया गया कार्य

२८. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि प्रोफेसर एफ० पी० श्रोटर ने जो टी० सी० एम० प्रोग्राम के अन्तर्गत दिसम्बर, १९५६ में भारत आये थे, अब तक इस देश में क्या कार्य किया है और उस से सरकार ने क्या लाभ उठाया है ?

†[WORK DONE BY PROF. F.P. SCHROETER

28. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to state what work has so far been done in India by Professor F. P. Schroeter who came to this country under the T.C.M. Programme in December 1956 and what benefit was derived by Government therefrom?]

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री (मौलाना अबुल कलाम आजाद) : एक विवरण संलग्न है।

विवरण

प्रोफेसर एफ० पी० श्रोटर द्वारा किया गया कार्य जो० टी० सी० एम० प्रोग्राम के अन्तर्गत भारत में आये

१. स्कूली इमारतें बनाने के टी० सी० एम० कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रोफेसर श्रोटर दिसम्बर, १९५६ में भारत आये। वे दो वर्ष तक यहां रहेंगे। और कम खर्च पर ऐसी स्कूली इमारतें बनाने में सहायता देंगे जिनमें कार्य-क्षमता और कलात्मकता दोनों ही का यथेष्ट ध्यान रखा जायगा। इस समय वह विभिन्न राज्य-सरकारों से स्कूल इमारतों के सम्बन्ध में सामग्री एकत्र करने में लगे हुए हैं; उन्होंने बहुत से स्कूलों की इमारतें देखी हैं और कुछ राज्यों में जा कर इमारतों से सम्बन्धित पदाधिकारियों से बातचीत भी की है; कई राज्य सरकारों ने उनसे दोबारा आने को भी कहा है।

२. चूंकि जो काम उन्हें वास्तव में करना है उसके लिये यह केवल भूमिका मात्र है, इसलिये उन्होंने क्या काम किया और भारत सरकार को उससे क्या लाभ हुआ, इसका मूल्यांकन करने का सवाल अभी नहीं उठता।

†English translation.

†[THE MINISTER FOR EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH (MAULANA ABUL KALAM AZAD): A Statement is attached.

STATEMENT

Work Done by Prof. F. P. Schroeter who came to India under the T.C.M. Programme

1. Professor Schroeter came to India in December, 1956 under T.C.M. Project of School building and expected to stay here for a period of two years to assist us in constructing school buildings economically with due regard to functional efficiency and a certain amount of artistic taste. He is at present engaged in collecting data on school buildings from various state governments; he has seen many school buildings and has held several discussions with the officials concerned with buildings in some of our states; in several cases he has been asked to repeat his visits by the State Governments.

2. As this is preliminary to his real work ahead, the question of assessing the work done by him and the benefit accrued to the Government of India on his account does not arise at this stage.]

ग्रामीण संस्थाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थी

२९. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देश की ग्रामीण संस्थाओं में इस समय कितने विद्यार्थी शिक्षा पा रहे हैं और उनमें से कितने विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां मिलती हैं ?

†[STUDENTS STUDYING IN RURAL INSTITUTES

29. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to state the number of students who are at present studying in the Rural Institutes in the country and the number of those who are receiving scholarships?]

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री (मौलाना अबुल कलाम आजाद) : ग्रामीण संस्थाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या ६३६ है, इनमें से २३७ विद्यार्थियों को १९५६-५७ में विभिन्न दरों पर छात्रवृत्तियां दी गई थीं ।

†[THE MINISTER FOR EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH (MAULANA ABUL KALAM AZAD): Number of students studying in Rural Institutes is 636, out of which 237 students were awarded stipends at varying rates during 1956-57.]

लन्दन स्थित भारतीय छात्रावास में भारतीय छात्रों के लिए स्थान का अभाव

३०. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को सूचना है कि लन्दन स्थित भारतीय छात्रावास में स्थानाभाव के कारण भारतीय छात्रों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(ख) क्या उस छात्रावास के विस्तार की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है और यदि है तो उसका विवरण क्या है;

(ग) छात्रावास में प्रवेश के लिये पिछले वर्ष कुल कितने आवेदनपत्र आये थे और उनमें से कितने स्वीकार हुए थे ; और

(घ) छात्रों के वहां रहने के लिये क्या क्या शर्तें हैं ?

†[SHORTAGE OF ACCOMMODATION FOR INDIAN STUDENTS IN THE INDIAN STUDENTS' HOSTEL, LONDON

30. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to state:

(a) whether Government are aware that many Indian students in London have to face difficulties due to shortage of accommodation in the Indian Students' Hostel there;

†English translation.